DEPARTMENT OF HINDI

Teacher In-charge: Dr. Seema Sharma

Association In-charge: Dr. Nisha Malik, Dr. Sangeeta Gupta

आज के भौतिक व अत्याधुनिक मशीनी युग में जीवन का अर्थ है निरंतर आगे बढ़ते रहना कुछ पाने के लिए, कुछ सार्थक पाने के लिए आवश्यक है लक्षय का होना। मानव स्वयं में प्रकृति की एक पूर्ण कृति है अपनी शक्तियों को पहचान कर जब आप पूर्ण नि:स्वार्थ भाव पूर्ण श्रम तथा अनुशासन से लक्षय की तरफ बढ़ेंगे तो , रास्ता सहज होता चला जाता है हिंदी विभाग अपने विद्यार्थियों के लिए तरह तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित कराता है जिससे छात्राओं का सम्पूर्ण विकास संभव हो सके।

हिन्दी साहित्यिक संस्था 'पराग' ने वर्ष 2017-18 में विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया। 14 सितम्बर से 16 सितम्बर 2017 तक 'हिन्दी सप्ताह' मनाया गया जिसका उद्घाटन श्री पूरनचंद टण्डन के अध्यक्षीय भाषण से हुआ। सप्ताह के अंतर्गत लोकगीत, सद्य लेखन, कविता, तथा कहानी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अनेकानेक महाविद्यालयो से प्रतिभागी आए और पुरस्कृत हुए। श्री इशु कुमार (लोकगीत), श्री संजीव कुमार (कविता), सुश्री सीमा भगत (सद्य लेखन), सुश्री ऋतु अग्रवाल (कहानी) प्रतियोगिता के निर्णायक रहे। 16 सितम्बर 2017 को 'नवस्वर' युवा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कुमारी मनीषा शुक्ला, श्री सचिन अग्रवाल, श्री निकुंज शर्मा तथा शोभा सचान सरीखे युवा व प्रतिष्ठित कवियों ने सभागार को आनंदित किया। इस मंच का संचालन राष्ट्रीय- अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त युवा कवि श्री चिराग जैन ने की। यह कार्यक्रम 'हिन्दी अकादमी' के सहयोग से सम्पन्न हुआ। 10 जनवरी 2018 को पराग संस्था द्वारा 'साहित्यिकी' का आयोजन किया गया जिसमें अलग अलग महाविद्यालयो से आए छात्रों ने हिन्दी प्रश्नोत्तरी में भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किए।

डॉ. संध्या गर्ग

प्रवासी साहित्य भाव और विचार: संपादिका

अतिथि वक्ता: पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, राष्ट्रीय संगोष्ठी, सठोत्तरी कविता बदलते मूल्य

डॉ. सुधा उपाध्याय

उपलब्धियाँ 2017-18

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार 'प्रवासी साहित्य भाव और विचार' में आलेख पाठ (11 फरवरी 2017)

पतनशील पत्नियों के नोट्स किताब पर समीक्षात्मक लेख 'लेडी मंटो का पतनशील पत्नियों का सलाम' लमही पत्रिकाओं में अप्रैल-जून 2017 में प्रकाशित (आईएसएसएन 2278-554)

दिल्ली के द्वारिका स्थित ब्रजवासन में साहित्यिक संस्था 'मुक्तांगन' द्वारा आयोजित मासिक गोष्ठी में कविता पाठ - 14 मई 2017

गंगा प्रसाद विमल के कविता संग्रह 'खबरें और अन्य कविताएं' पर समीक्षात्मक लेख दस्तावेज पत्रिका में मई-जून 2017 में प्रकाशित (आईएसएसएन-2348-7763, अंक 152)

युद्धरत आम आदमी और आॅल इंडिया ट्राइबल लिटेररी फॉरम की तरफ से रमणिका फाउंडेशन द्वारा आयोजित मासिक संगोष्ठी कविता पाठ-8 जुलाई 2017

हिन्दी सप्ताह के उद्घाटन सत्र में साहित्य व समाज पर प्रमुख वक्ता के रूप में वक्तव्य - 14 सितंबर 2017

हिन्दी विभाग जानकी देवी कॉलेज द्वारा हिन्दी सप्ताह के दौरान स्वरचित कविता समय में निर्णायक की भूमिका (19 सितंबर 2017)

हिंदुस्तानी साहित्य सभा द्वारा आयोजित सन्निधि संगोष्ठी में कविता पाठ - 24 सितंबर 2017

नया ज्ञानोदय पत्रिका के उत्सव अंक स्त्री स्वर का सच में 'पतनशील पत्नियों के नाम' समीक्षात्मक लेख प्रकाशित - अक्टूबर 2017 अंक 176 (आईएसएसएन 2278-2184)

ष्ीजजचरूध्ध्लवनजनइमध्3/वजबउंचन्प 8 ष्

ष्ढीजजचरूध्ध्लवनजनइमध्3 फवजबउंचन्प 8 झष् रघुवीर सहाय की रचना धर्मिता पर ई-पाठशाला यूजीसी द्वारा यूटचूब पर प्रकाशित - अक्टूबर 2017

'यूद्धरत आदमी' पत्रिका में दस कविताएं प्रकाशित - अक्टूबर 2017, अंक 170 (आईएसएसएन 2320-0359)

दिल्ली सरकार की तरफ से आयोजित विचार मंथन 'देश: कल आज और कल' कार्यक्रम का संचालन, दिल्ली सचिवालय में विचार गोष्ठी - 6-7 जनवरी 2018

सिंफनी में अंतरमहाविद्यालयी नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका (8 जनवरी 2018)

अकादमी आॅफ फाइन आट्स एंड लिटरेचर के कार्यक्रम डायलॉग में तेजेंद्र लूथरा की कविताओं पर आलेख (21 जनवरी 2018)

कवियत्री स्नेहमयी चैधरी की कविताधर्मिता पर आलोचनात्मक लेख 'अपने खिलाफ चैतरफा लड़ाई लड़ी, जिसकी परिणती तोड़ने में नहीं टूटन में थी' लमही पत्रिका (जनवरी-मार्च 2018) में प्रकाशित (आईएसएसएन 2278-554)

'प्रवासी साहित्य भाव और विचार' पुस्तक में लेख प्रकाशित (प्रकाशन जनवरी 2018)

डॉ. संगीता गुप्ता

24 फरवरी 2017 को नव उन्नयन सोसाइटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'श्रीकृष्ण और राम साहित्य में मानव मूल्य' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुति।

13 नवंबर 2017 को कमला नेहरू महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी के प्रचार प्रसार में सिनेमा की भूमिका' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुति।

2-3 नवंबर 2017 को पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय संस्कृति और राम कृष्ण साहित्य' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुति।

डॉ. सीमा शर्मा

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रपत्र प्रस्तुति ए.आर.एस.डी. कॉलेज - कबीर की समाज चेतना 30-31 जनवरी, 2018

राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रपत्र प्रस्तुति के.एन.सी. - हिन्दी सिनेमा में बदलती स्त्री की भूमिका - 13 नवंबर, 2017

हंसराज कॉलेज - जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य 30-31, फरवरी 2018

महाराजा अग्रसेन कॉलेज - स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी नाटक 19-20 फरवरी 2018

नव उन्नयन सोसाइटी- मानव मूल्य और कथा साहित्य, 24 फरवरी, 2018

ओरिएंटेशन एंड केपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप फॉर टीचर इन चार्ज, गांधी स्मृति एंड दर्शन स्मृति, 30 जुलाई 2017

डॉ. पूनम यादव

'मानव मूल्य और हिन्दी साहित्य' विषय पर नव उन्नयन साहित्यिक सोसाइटी द्वारा 24 फरवरी 2017 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भक्ति काव्य में मानव मूल्य' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

नीना पॉल की कहानियों में स्त्री द्वंद्व (आईएसबीएन- 987-93-82597-339)

डॉ. वंदना

शोध पत्र प्रस्तुतीकरण (राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय) 'साहित्य, समाज और सिनेमा' नवंबर 2017 कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रकाशित शोध-आलेख (राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय) प्रेमचंद की कहानियों में सामाजिक चेतना (प्रेमचंद: मनन और मंथन) 2018 आईएनबीएन: 978-93-86007-58-2

लोकमानस की महागाथा: रामचरितमानस (भक्तिकालीन कविता भारतीय संस्कृति के विविध आयाम) नवंबर 2017, आईएसबीएन: 978-93-82597-94-0

दिनांक 8 व 9 मार्च , 2018 को हिन्दी विभाग की ओर से अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में हिन्दी सिनेमा एंव लोकनाटय जगत् के प्रमुख विज्ञानों ने भाग लिया प्राचार्य डॉ स्वाती पाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बीज वक्तव्य दिया । प्रो प्रो कृष्ण कुमार गोस्वामी, प्रो ़पूरन चंद टंडन , प्रो चदंन कुमार ,श्री दीपक परवतियार , डॉ शरद आलोक ;नॉर्वेद्ध, श्री कुमार अमिताभ , प्रो ओमप्रकाश भारती , डॉ अमितेश कुमार , डॉ प्रकाश झा , प्रो देवेन्द्र राज अंकुर , डॉ गौतम झा, सुश्री अनुराधाप्रसाद आदि प्रभृति विद्वानों ने भाग लिया । संगोष्ठी की संयोजिका एंव प्रभारी डॉ सीमा शर्मा रहीं । संगोष्ठी में दिल्ली , पश्चिम बंगाल , जम्मू , पिथौरागढ़ , वर्धा , छपरा , पटना , आदि अनेक राज्यों से प्रतिभागियों ने बढ़.चढ़ कर भाग लिया ।